करौली क्षेत्र में बारिश से हालात बिगड़े, पांचना बांध के चार गेट खोले

करौली और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाली चंबल नदी भी पूरे उफान पर है

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार रात्रि से हो रही झमाझम बारिश से हालत बिगड़ते नजर आ रहे हैं। वहीं करौली जिले के सबसे बड़े पांचना बांध के चार गेट खोलकर लगातार पानी की निकासी की जा रही है। वहीं क्षेत्र में हो रही लगातार बरसात के चलते करौली और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाली चंबल नदी भी इस समय पूरे उफान पर है। चंबल नदी के खतरे का निशान 165 मीटर है और लगातार पानी की आवक के चलते इस समय चंबल नदी की स्थिति 164 मीटर पर पहुंच गई है। जिसको देखते हुए करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सैना, पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल सहित जल संसाधन विभाग के अधिकारी पुरी निगरानी बनाए हुए हैं।

करौली के सबसे बड़े पांचना बांध के चार गेट खोलकर लगातार पानी की निकासी की जा रही है।

- पांचना बांध के चार गेट खोलकर 26233 क्यूसेक पानी की निकासी की गई

करौली जिला मुख्यालय पर शुक्रवार और शनिवार को दोपहर तक घने काले बादल छाए रहे, लेकिन शनिवार को दोपहर आधा घंटा जमकर वर्षा होने से सड़कों पर पानी बह निकला। व्करौली जिले के सबसे बड़े पांचना बांध में भारी पानी की आवक के चलते शनिवार को चार गेट खोलकर 26233 क्यूसेक पानी की निकासी शुरू की गई। इस मानसून सीजन में पहली बार एक साथ चार गेट खोले गए हैं। जल संसाधन विभाग ने डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सावधानी बरतने और मवेशी नहीं भेजने की अपील की है। जानकारी के अनुसार गेट नंबर 2, 3, 4 और 6 को डेढ़-डेढ़ मीटर तक खोला गया है। बांध का जल स्तर 258.30 मीटर तक पहुंच गया है, जबकि बांध में वर्तमान में 26,233 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज की जा रही है। इससे पहले 11 अगस्त को जल स्तर 257.95 मीटर होने पर गेट बंद कर दिए गए थे। इस मानसून सीजन में अब तक सात बार बांध के गेट खोले जा चुके हैं। शुक्रवार की रात करीब 11:30 बजे बांध के दो गेट खोल पानी की निकासी शुरू की थी, लेकिन बाद में पानी की आवक बढ़ने पर रात करीब 2:00 बजे तीसरा गेट भी खोल दिया था और प्रात:करीब 5:30 बजे गेटों की संख्या बढ़ाकर चार कर दी तथा मात्रा बढ़ाकर 26 हजार क्यूसेक की गई। बांध की स्थिति पर अधिशासी अभियंता सुशील कुमार गुप्ता, सहायक अभियंता वीर सिंह और कनिष्ठ अभियंता भवानी सिंह लगातार नजर रखे हुए हैं।

अधिशासी अभियंता ने बताया कि बीते 24 घंटों में जिले में कई स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि कालीसिल बांध पर 8 फीट से अधिक, मामचारी बांध पर 1 फीट 4 इंच और नींदर बांध पर 1 फीट 5 इंच की चादर चल रही है।

इसके अलावा सपोटरा-कुडगांव सड़क मार्ग पर स्थित लूलोज नदी की पुलिया पर तेज-बहाव से 4 फीट से अधिक पानी बह रहा था। पुलिया पार करते समय बस का पहिया नीचे उतरने से बस पलट गई इस दौरान बस में बैठे लोगों की चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर बस में सवार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और ट्रैक्टर जेसीबी की मदद से बस को पानी से बाहर निकाल लिया। वहीं क्षेत्र में गोरे हर बनास एवं मोरल नदी भी उफान पर चल रही है। इसके अलावा लागरा क्षेत्र के बुगडार गांव का युवक वीर सिंह पुत्र राम सिंह अपना स्वास्थ्य खराब होने के कारण करौली की और आ रहा था। रास्ते में पड़ने वाली पुलिया पार करते समय बहते पानी में फिसल गया जिसकी सूचना मिलते ही थाना अधिकारी वासुदेव बासवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से युवक की तलाश की जा रही है।

टोंक जिले में कई जगह बाढ़ के हालात

टोंक जिले में हो रही तेज बारिश से कई जगह जलभराव के हालात बन गए।

टोंक, (निसं)। टोंक जिले में दो दिन से हो रही तेज बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। शनिवार को कई जगह हालात जलभराव के बन गए। वनस्थली गांव में तीन से चार फीट पानी घरों में भर गया तथा स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

- उनियारा से गलवा बांध के पास चार परिवारों के 22 सदस्यों को रेस्क्यू किया, कई इलाकों के लगभग 50 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया
- पीपलू क्षेत्र में एक अध्यापक व उसकी बाइक बही, अध्यापक ने जैसे-तेसे अपनी जान बचाई
- पीपलू क्षेत्र के मोहिनी से लावा मार्ग रपटे पर तेज बहाव के चलते पशुपालक की 30-40 भेड़ें बह गई

एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस की टीमें जलभराव में फंसे लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर छोड़ रही है। इसी प्रकार उनियारा से गलवा बांध के पास चार परिवारों के 22 सदस्यों को रेस्क्यू किया गया। वहीं इलाकों के लगभग 50 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। पीपलू क्षेत्र में एक अध्यापक व उसकी बाइक बह गई है। अध्यापक ने जैसे-तेसे करके अपनी जान बचाई। इसी क्रम में शनिवार को बीसलपुर बांध के चार गेट खोले गए हैं, ऐसे में वर्तमान में छह गेटों से दो-दो मीटर खोलकर प्रति सैकेंड 72120 क्यूसेक पानी की निकासी बनास नदी में की जा रही है। नासिरदा और उसके आसपास के इलाकों में पांच इंच बारिश हुई है, जिसके चलते थाना परिसर में भी पानी भर गया है तथा सभी नदी-नाले उफान पर है, सड़कों पर पानी बह रहा है। वहीं हमीरपुर में भी बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। इसी प्रकार पीपलू क्षेत्र के मोहिनी से लावा मार्ग रपटे पर पशुपालक अपनी भेड़ों को पानी से निकलने की कोशिश कर रहा था, तभी तेज बहाव के चलते 30-40 भेड़ें पानी में बह गई।

अलवर में तेज बारिश, सिलीसेढ़ बांध ओवरफ्लो हुआ

अलवर, (निसं)। अलवर में तेज बारिश ने शनिवार को अलवर प्रशासन और नगर परिषद की पोल खोल कर रख दी है। पहली बार बस स्टैंड रोड पर इतना पानी जमा हो गया कि लोग तैरने लगे। शहर की दुकानों में पानी भर गया।

- ग्राम कोटा खुर्द में पुराने मकान का बरामदा ढह गया, हादसे में नीचे सो रहे परिवार के सात सदस्य दबकर घायल हो गए
- पहली बार बस स्टैंड रोड पर इतना पानी जमा हो गया कि लोग तैरने लगे, दुकानों में भी पानी भर गया

रामगढ़ उपखंड के ग्राम कोटा खुर्द में पुराने मकान का बरामदा ढह गया।

जानकारी के अनुसार अलवर में शनिवार शाम को जोरदार बारिश हुई। बस स्टैंड के बाहर मुख्य रोड पर तीन फीट तक पानी भर गया। एक युवक तो रोड पर भरे पानी में तैराकी करने लगा। पानी में आस-पास दुकानों के आगे खड़े वाहन डूब गए। पुरानी कॉलोनियों में भारी भर गया। ये ही हालात अंबेडकर सर्किल, जिला हॉस्पिटल और पुलिस कंट्रोल रूम के सामने भी देखे गए। कई वाहन पानी में बंद हो गए। लंबा जाम लगने से भी वाहन चालक परेशान हुए। वहीं दो दिन की बरसात से सिलीसेढ़ बांध ओवरफ्लो हो गया। दो इंच से अधिक ऊपरा चल रही है। अब इसके बढ़ने के आसार हैं। दिन में भी रुक-रुककर कई बार बारिश हुई है, लेकिन शाम के समय करीब 30 मिनट तक अच्छी बारिश होने से शहर में पानी भर गया। अलवर में तेज बारिश के चलते रामगढ़ उपखंड के ग्राम कोटा खुर्द में एक हादसा हो गया। गांव में पुराने मकान पर निर्माण कार्य के दौरान अचानक बरामदा ढह गया। हादसे में नीचे सो रहे एक ही परिवार के सात सदस्य दब गए और घायल हो गए। हादसे में पीड़ित परिवार का बेटा, बहू, पोता और पोती समेत सात लोग चोटिल हुए। सभी घायलों को तत्काल ग्रामीणों की मदद से रामगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार दिया गया। गंभीर रूप से घायल एक बालिका को बेहतर इलाज के लिए अलवर रेफर कर दिया गया।

गंगापुर सिटी में बारिश, सड़कों पर पानी भरा

गंगापुर सिटी, (निसं)। प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। शहर में बारिश के कारण जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया। शनिवार को भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की विदाई जोरदार बारिश के साथ हुई। दोपहर करीब एक बजे गरज के साथ बारिश शुरू हुई। तीन सप्ताह से कमजोर चल रहे मानसून की इस वापसी से शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। उपखण्ड क्षेत्र में पिछले 24 घंटें में 80 मिमी बारिश हो चुकी है। इलाके में शुक्रवार देर रात से बारिश का दौर शुरू हुआ जो शनिवार तक जारी रहा।

गंगापुर सिटी में कचहरी रोड व फव्वारा चौक पर पानी भर गया।

लगातार बारिश से निचली बस्तियां जलमग्न हो गई। शनिवार की बरसात में मिनी सचिवालय, पावर हाउस, एडीएम बंगले में पानी भर गया। बारिश के दौरान स्कूली बच्चे घर लौटते समय भीगते नजर आए। तेज हवाओं के कारण मौसम में ठंडक बढ़ी और तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को दो घंटे से अधिक समय तक हुई बारिश से नया बाजार, नेहरू बाजार, कचहरी रोड की कई दुकानों में पानी घुस गया, जिससे दुकानदारों का लाखों रूपए का सामान खराब हो गया। कई दुपहिया वाहनों में पानी चले जाने से वाहनों का घसीटना पड़ा। वहीं कचहरी रोड पर लग रही पेड पोधों की दुकान पानी के तेज बहाव में बह गई, जिससे नर्सरी संचालक का हजारो रूपए का नुकसान हो गया।

बीकानेर में बारिश

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में हुई मध्यम दर्जे की बारिश ने रामदेवरा पैदल जा रहे पदयात्रियों को रुकने के लिए मजबूर कर दिया, वहीं देशनोक में खेजड़ी पूजने जा रही महिलाओं को दो-दो फीट पानी से भरी सड़कों से गुजरना पड़ा। बारिश का दौर अभी जारी है और मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है। उधर, शहर में जर्जर मकानों को लेकर नगर निगम ने सौ से ज्यादा घरों पर बैनर टांग दिए हैं।

बीकानेर शहर में सुबह से बादलवाही को देखते हुए बारिश की उम्मीद की जा रही थी, इस बीच लूणकरनसर में बारिश शुरू हो गई। लूणकरनसर के मुख्य मार्गों पर बारिश के कारण भारी वाहनों के पहिए भी एक बार थम गए। तेज बारिश से मुख्य मार्ग पर पानी एकत्र हो गया। देशनोक में तेज बारिश के कारण पालिका कार्यालय के पास ही भारी मात्रा में पानी एकत्र हो गया। करीब दो फीट पानी से होकर यहां से महिलाओं को निकलना पड़ा। खेजड़ी पेड़ की पूजा के लिए जा रही महिलाओं को पानी से भरी सड़क पार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। देशनोक में जगह-जगह पानी एकत्र होने से घरों को भी नुकसान हो रहा है। बीकानेर शहर में करीब आधा घंटे की रिमझिम बारिश ने ही मौसम सुहाना कर दिया। एक बार तो झमाझम बारिश की उम्मीद बंधी थी लेकिन कुछ देर की रिमझिम बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया। फिलहाल बरसात का सिलसिला थम गया है लेकिन आसमान में बादल कभी भी तेज बारिश कर सकते हैं। मौसम विभाग ने बीकानेर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। उम्मीद की जा रही है कि शाम तक बारिश के एक-दो राउंड और हो सकते हैं। पिछले कई दिनों से बारिश को तरस रहे बीकानेर के किसान भी तेज बरसात का इंतजार कर रहे हैं।

जनुभाई के बताये रास्ते एवं उनके सपनों को पूरा करने का संकल्प लें : प्रो. सारंगदेवोत

राजस्थान विद्यापीठ के 89वें स्थापना दिवस पर पंडित जनार्दराय नागर की प्रतिमा का लोकार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ के 89वें स्थापना दिवस पर श्रमजीवी महाविद्यालय परिसर में कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर, कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, पीठ स्थविर कौशल नागदा, पूर्व कुलपति प्रो. दिव्यप्रभा नागर, प्रफुल्ल नागर ने संस्थापक मनीषी पंडित जनार्दराय नागर की प्रतिमा का लोकार्पण कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धाभाव के साथ उन्हें नमन किया। अनावरण पंडित लोकेश पालीवाल के नेतृत्व में 11 पंडितों ने मंत्रोच्चारण के साथ आयोजन किया गया।

राजस्थान विद्यापीठ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, पीठ स्थविर कौशल नागदा, पूर्व कुलपति प्रो. दिव्यप्रभा नागर, प्रफुल्ल नागर आदि मौजूद रहे।

प्रारंभ में कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि पंडित जनार्दन राय नागर, जिन्हें जनू भाई के नाम से भी जाना जाता है, ने अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को शिक्षित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष, मानवीय दृष्टिकोण, सामाजिक और सामुदायिक सरोकार आज भी प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि मानते हुए शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि आजादी के 10 वर्ष पूर्व 1937 में जो पौधा रोपित किया था वह आज वटवृक्ष बन गया है। अब इसकी हिफाजत करना, इसकी गरिमा बनाये रखना व इसकी और अधिक उन्नति करने का दायित्व विद्यापीठ के सभी कार्यकर्ताओं का है। उन्होंने कहा कि जनुभाई की प्रतिमा को देखने से हमें एक नई उर्जा मिलती है, एक नया संदेश मिलता है और जब संकट में होते है तो उस समय हमें ऐसा लगता है कि जनुभाई हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा कि आज हमें सकल्प के साथ विद्यापीठ का आत्मसात करने की जरूरत है। जब व्यक्ति, समाज और राष्ट्र कठिनाईयों से जूझता है और इसे अवसर में बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज संस्थान में 200 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, सभी कोर्स यूजीसी एवं सम्बंधित काउंसिल से मान्यता प्राप्त है। तीन रूपये से शुरू इस संस्थान का वर्तमान में 70 करोड़ का वार्षिक बजट है जो अपने आप में एक कीर्तिमान स्थापित करता है।

कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर ने कहा कि यह दिवस बीतें वर्षो में किए कार्यो का मूल्यांकन तथा नवीन दायित्व बोध का है। नई पीढ़ी से मेवाड़ के ग्रामीण समुदाय के काम हाथ मे लेते हुए जनुभाई के सपनों को पूरा करने की बात कही। आयोजित समारोह से पूर्व विद्यापीठ के प्रतापनगर परिसर में स्थापित जनुभाई की आदमकद प्रतिमा पर विद्यापीठ के तीनों परिसर के कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

इस अवसर पर पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने विद्यापीठ के झण्डे का झण्डारोहण कर संस्थान गीत का गायन किया। पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा ने सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर विद्यापीठ को ओर अधिक उंचाईयों पर ले जाने का संकल्प दिलाया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रफुल्ल नागर ने कहा कि पंडित नागर की शिक्षा के प्रति दूरदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए यदि वर्तमान और भावी पीढ़ी शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक प्रयास करें, तो उनके विचार चिरकाल तक जीवित रहेंगे। पूर्व कुलपति प्रो. दिव्य प्रभा नगर ने कहा कि पंडित नगर का व्यक्तित्व शिक्षा, समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए समर्पित था। संचालन रजिस्ट्रार डॉ. तरूण श्रीमाली, डॉ. हेमेन्द्र चौधरी, आभार प्रो. मलय पानेरी ने जताया।

इस अवसर पर शिक्षाविद् प्रो. एमपी शर्मा, प्रो. पीआर व्यास, डॉ. पंकज चैधरी, प्रो. शशि चितौडा, डॉ. युवराज सिंह राठौड़, डॉ. भवानीपाल सिंह, पुरूषोतम शर्मा, योगेश सक्सेना, शर्वांश नागर, सक्सेना, डॉ. कला मुणेत, प्रो. सरोज गर्ग, प्रो. जीवन सिंह खरकवाल, प्रो. गजेन्द्र माथुर, डॉ. एसबी नागर, डॉ. मंजु मांडोत, डॉ. बबीता रसीद, डॉ. शैलेन्द्र मेहता, डॉ. धमेन्द्र राजौरा, डॉ. दिलीप सिंह चौहान, डॉ. सपना श्रीमाली, डॉ. हीना खान, डॉ. नीरू राठौड़, डॉ. सुनिता मुर्डिया, डॉ. अवनीश नागर, डॉ. राजन सुद, डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ. अलक नंदा, डॉ. बलिदान जैन, डॉ. ओम पारीख, डॉ. विजय दलाल, उदय भान सिंह सहित विद्यापीठ के डीन, डायरेक्टर एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने जनुभाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

सेना भर्ती में दौड़ते युवक को हार्ट अटैक आया, मौत

फिनिशिंग लाइन से पहले बेहोश होकर गिर गया था, हॉस्पिटल में दम तोड़ा

बीकानेर, (निसं)। जोधपुर में सेना भर्ती में दौड़ते हुए 22 साल के युवक को साइलेंट अटैक आ गया। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) का रहने वाला मुन्नीराम 21 अगस्त को मंडोर के सीमा सुरक्षा बल के कैंपस में पहुंचा था। हादसे के बाद उसे मथुरा दास माथुर हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। शुक्रवार (22 अगस्त) सुबह चार बजे उसकी मौत हो गई।

- श्रीडूंगरगढ़ का रहने वाला मुन्नीराम मंडोर के सीमा सुरक्षा बल के कैंपस पहुंचा था

मुन्नीराम के भाई रामनिवास ने बताया कि दौड़ के दौरान वो पहले फिनिशिंग लाइन के पास गिर गया। इसके बाद फिर दौड़ने की कोशिश की, लेकिन बेहोश होकर गिर गया। इसके बाद वह उठ नहीं पाया। उसे पहले मंडोर के हॉस्पिटल ले जाया गया था। वहां से उसे एमडीएम में रेफर किया गया था, जहां उसकी 22 अगस्त को मौत हो गई। सेना भर्ती में युवक को हार्टअटैक की घटना ने सभी को चौंकाया है। मुन्नीराम को जब एमडीएम लाया गया था तो उसकी सभी जांच हुई थी। उसके शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं थे। किसी दूसरी बीमारी के भी कोई सिम्पटम्स नहीं नजर आए, इसलिए आशंका है कि उसे साइलेंट अटैक आया था। रामनिवास ने बताया कि पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने के बाद वे आगे की कार्रवाई करेंगे। परिवार के अनुसार बीकानेर के कल्याणसर का रहने वाला मुन्नीराम बीकानेर में कॉम्पिटिशन एग्जाम के लिए कोचिंग कर रहा था। उसके पिता का देहांत हो चुका है। उसके परिवार में मां और दो बड़े भाई हैं।

होटल से गिरने पर युवक की मौत : उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र बड़ी में निर्माणाधीन होटल की दूसरी मंजिल से गिरने पर युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में बड़ी में निर्माणाधीन होटल की दूसरी मंजिल से गिरने पर स्वामीनगर टेकरी रोड हिरणमगरी निवासी पुरूषोतम गोराणा की मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई नरेन्द्रसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं गत दिनों शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र पावर हाउस क्रोसिंग के समीप बाइक की टक्कर से बाइक चालक शांतिनगर (70) सविना निवासी चुन्नीलाल पुत्र गिरधारीलाल गलरानी गंभीर घायल हो गया, जिसे चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

वर्ष 2026 हेतु ऑनलाईन परीक्षा आवेदन-पत्र भरने की तिथियों में संशोधन की सूचना

वर्ष 2026 की परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले समस्त नियमित एवं स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के ऑनलाईन परीक्षा आवेदन-पत्र भरने एवं शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया गया है:-

परीक्षा शुल्क	आवेदन पत्र भरने की आरम्भ तिथि	आवेदन पत्र भरने एवं चालान मुद्रित करने की अंतिम तिथि	परीक्षा शुल्क बैंक में जमा कराने की अंतिम तिथि	आवेदन पत्र एवं चालान नोडल केन्द्र पर जमा कराने की अंतिम तिथि
सामान्य परीक्षा शुल्क से	24.07.2025	03.09.2025	10.09.2025	18.09.2025
एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित	04.09.2025	10.09.2025	15.09.2025	18.09.2025
असाधारण परीक्षा शुल्क (केवल स्वयंपाठी हेतु) जिला मुख्यालयों पर	11.09.2025	25.09.2025	04.10.2025	सीधे बोर्ड कार्यालय में

1. आवेदन पत्र भरने से संबंधित अन्य प्रक्रिया/शुल्क पूर्व की भांति यथावत रहेंगे।
2. आवश्यक निर्देश बोर्ड की वेबसाइट https://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर देखे।

सचिव